NAVRATRI HAVAN VIDHI

नवरात्री हवन विधि



आगच्छ त्वं महादेवि। स्थाने चात्र स्थिरा भव।

यावत पूजां करिष्यामि तावत त्वं सन्निधौ भव।।



"श्री जगदम्बे दुर्गा देव्यै नम:।"

श्री दुर्गादेवी - आवाहयामि - फूल, चावल चढ़ाएं।

"श्री जगदम्बे दुर्गा देव्यै नम:।"

श्री दुर्गादेवी - आसनार्थे पुष्पानी समर्पयामि।- भगवती को आसन दें।

"श्री जगदम्बे दुर्गा देव्यै नम:।"

श्री दुर्गादेवी - पाद्यम, अर्घ्य, आचमन, स्नानार्थ जलं समर्पयामि।-आचमन ग्रहण करें।

"श्री जगदम्बे दुर्गा देव्यै नमः।"

श्री दुर्गादेवी दुग्धं समर्पयामि - दूध चढ़ाएं।

"श्री जगदम्बे दुर्गा देव्यै नमः।"

श्री दुर्गादेवी दही समर्पयामि - दही चढ़ाएं।

"श्री जगदम्बे दुर्गा देव्यै नमः।"

श्री दुर्गादेवी घृत समर्पयामि - घी चढ़ाएं।

"श्री जगदम्बे दुर्गा देव्यै नमः।"

श्री दुर्गादेवी मधु समर्पयामि - शहद चढ़ाएं।

"श्री जगदम्बे दुर्गा देव्यै नमः।"

श्री दुर्गादेवी शर्करा समर्पयामि - शक्कर चढ़ाएं।

"श्री जगदम्बे दुर्गा देव्यै नमः।"

श्री दुर्गादेवी पंचामृत समर्पयामि - पंचामृत चढ़ाएं।

"श्री जगदम्बे दुर्गा देव्यै नमः।"

श्री दुर्गादेवी गंधोदक समर्पयामि - गंध चढाएं।

"श्री जगदम्बे दुर्गा देव्यै नमः।"

श्री दुर्गा देवी शुद्धोदक स्नानम समर्पयामि - जल चढ़ाएं - आचमन के लिए जल लें।

"श्री जगदम्बे दुर्गा देव्यै नमः।"

श्री दुर्गादेवी वस्त्रम समर्पयामि - वस्त्र, उपवस्त्र चढ़ाएं।

"श्री जगदम्बे दुर्गा देव्यै नमः।"

श्री दुर्गादेवी सौभाग्य सूत्रम् समर्पयामि - सौभाग्य-सूत्र चढाएं।

www.totalbhakti.com

"श्री जगदम्बे दुर्गा देव्यै नमः।"

श्री दुर्गा-देव्यै पुष्पमालाम समर्पयामि-फूल, फूलमाला, बिल्व पत्र, दुर्वा चढ़ाएं।

"श्री जगदम्बे दुर्गा देव्यै नमः।"

श्री दुर्गा-देव्यै नैवेद्यम निवेदयामि-इसके बाद हाथ धोकर भगवती को भोग लगाएं।

"श्री जगदम्बे दुर्गा देव्यै नमः।"

श्री दुर्गा देव्यै फलम समर्पयामि- फल चढ़ाएं।

"श्री जगदम्बे दुर्गा देव्यै नमः।"

श्री दुर्गा-देव्यै ताम्बूलं समर्पयामि - तांबुल (सुपारी, लौंग, इलायची) चढ़ाएं।

मां दुर्गा देवी की आरती करें.....।



मंत्र:-



1.पापनाश और भक्ति प्राप्ति के लिए मां दुर्गा की वंदना इस मंत्र के द्वारा करना चाहिए-

नतेभ्यः सर्वदा भक्त्या चण्डिके दुरितापहे।

रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषो जहि॥

2.स्वर्ग और मोक्ष की प्राप्ति के लिए मां दुर्गा की स्तुति इस मंत्र के द्वारा करना चाहिए-

सर्वभूता यदा देवी स्वर्गमुक्तिप्रदायिनी।

त्वं स्तुता स्तुतये का वा भवन्तु परमोक्तयः॥

3.प्रसन्नता प्राप्ति के लिए मां दुर्गा की आराधना इस मंत्र के द्वारा करना चाहिए-

प्रणतानां प्रसीद त्वं देवि विश्वार्तिहारिणि।

त्रैलोक्यवासिनामीड्ये लोकानां वरदा भव॥

4.जीवन में आरोग्य और सौभाग्य की प्राप्ति के लिए मां दुर्गा की आराधना इस मंत्र से करना चाहिए-

www.totalbhakti.com

देहि सौभाग्यमारोग्यं देहि मे परमं सुखम् |

रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषो जहि ||

5.अपने पापों को मिटाने के लिये इस मन्त्र के द्वारा मां दुर्गा की अराधना करना चाहिए-

हिनस्ति दैत्यतेजांसि स्वनेनापूर्य या जगत् |

सा घण्टा पातु नो देवि पापेभ्योनः सुतानिव ||

6.इस मंत्र के द्वारा विश्व के अशुभ तथा भय का विनाश करने के लिए मां दुर्गा की स्तुति करना चाहिए-

यस्याः प्रभावमतुलं भगवाननन्तो ब्रह्मा हरश्च न हि वक्तमलं बलं च |

सा चण्डिकाखिलजगत्परिपालनायनाशाय चाशुभभयस्य मतिं करोतु ||

7.सामूहिक कल्याण के लिए मां दुर्गा की वंदना इस मंत्र के द्वारा करना चाहिए-

देव्या यया ततमिदं जग्दात्मशक्त्या निश्शेषदेवगणशक्तिसमूहमूर्त्या|

तामम्बिकामखिलदेव महर्षिपूज्यां भक्त्या नताः स्म विदधातु शुभानि सा नः ||

www.totalbhakti.com